श्री उपिंदर सिंह मठारू बीएचईएल में निदेशक (पावर) नियुक्त किए गए

नई दिल्ली, 22 मार्च: श्री उपिंदर सिंह मठारू (58 वर्षीय) ने सार्वजनिक क्षेत्र के इंजीनियरिंग और विनिर्माण उद्यम भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) के निदेशक मंडल में निदेशक (पावर) के रूप में पदभार ग्रहण किया है।

श्री मठारू निदेशक के रूप में चयनित होने से पहले बीएचईएल, पावर सेक्टर-पूर्वी क्षेत्र के प्रमुख के रूप में कार्यपालक निदेशक के पद पर कार्यरत थे। श्री मठारू ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) के सरकार द्वारा प्रमाणित ऊर्जा प्रबंधक और ऑडिटर हैं। वे थापर इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, पटियाला से 1984 बैच के मैकेनिकल इंजीनियरिंग स्नातक हैं। उन्होंने बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (मार्केटिंग) में स्नातकोत्तर डिग्री भी अर्जित की है।

श्री मठारू ने वर्ष 1985 में बीएचईएल के इंडस्ट्रियल वाल्व प्लांट (आईवीपी), गोइंदवाल में इसकी स्थापना के दौरान कार्यभार ग्रहण किया। उनके पास लगभग 37 वर्षों का विविध प्रकार का बहुमुखी अनुभव है; आरंभ में आईवीपी और तिरुचिरापल्ली की विनिर्माण इकाइयों का तथा उसके बाद परियोजना प्रबंधन प्रभागों सहित बीएचईएल के पावर सेक्टर प्रभाग में काम का अनुभव है। इसके बाद उन्होंने बीएचईएल के पावर सेक्टर-पूर्वी क्षेत्र (पीएसईआर), कोलकाता का नेतृत्व किया।

परियोजना प्रबंधन प्रभाग प्रमुख के रूप में, श्री मठारू ने देश में 25,000 मेगावाट से अधिक की थर्मल पावर परियोजनाओं का निष्पादन करवाया है। एफजीडी परियोजनाओं के अतिरिक्त वे पीएसईआर प्रमुख के रूप में भारत और विदेशों में 8,000 मेगावाट से अधिक की थर्मल और हाइड्रो परियोजनाओं के निष्पादन का कार्य देख रहे थे। परियोजना प्रबंधन में अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने पावर सेक्टर की क्षमता वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान देने के अतिरिक्त, कंपनी की विभिन्न परियोजना प्रबंधन प्रक्रियाओं और प्रणालियों को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। बीएचईएल की विनिर्माण इकाइयों में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने उपसंविदा, सामग्री प्रबंधन, ऑपरेशन प्लानिंग और कंट्रोल, प्रबंधन सेवाओं सहित विविध कार्यक्षेत्रों का अनुभव प्राप्त किया। आईवीपी, गोइंदवाल की स्थापना से ही वे सक्रिय रूप से कार्यरत थे।

श्री मठारू को पावर सेक्टर परियोजनाओं के त्वरित कार्यान्वयन के इकोसिस्टम का व्यापक ज्ञान और अनुभव है। विनिर्माण इकाइयों और कॉर्पोरेट प्रकार्यों में उनके व्यापक अनुभव ने उन्हें व्यावसायिक माहौल के संभावित परिवर्तनों का आकलन करने तथा बीएचईएल की विकास रणनीतियों के निर्माण हेतु प्रभावी योगदान देने में सक्षम बनाया है।